



बिटक्रॉइन और क्रिप्टोकॉरेंसी से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु

drishtiiias.com/hindi/printpdf/important-facts-related-to-bit-coins-and-cryptocurrency

चर्चा में क्यों?

वर्तमान में बिटकॉइन बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। विदित हो कि इस वर्ष अब तक सभी क्रिप्टोकॉरेंसियों की कीमत 10 गुना बढ़कर 170 अरब डॉलर से अधिक हो गई है। हालाँकि, मुख्यधारा के संस्थागत निवेशक इस अपरिपक्व बाजार से दूरी बनाए हुए हैं।

संस्थागत निवेशकों की उदासीनता के कारण

सबसे बड़ी और सबसे ज़्यादा जानी-पहचानी क्रिप्टोकॉरेंसी बिटकॉइन ने वर्ष 2014 को छोड़कर साल 2011 से विश्व की सभी परंपरागत करेंसियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लेकिन अब भी बहुत से निवेशक इसे अपारदर्शी मानते हैं। दरअसल, संस्थागत निवेशकों का मानना है कि यह नियमित नहीं है और इसमें उतार-चढ़ाव की संभावना अधिक है। इसके अलावा इन प्रतिभूतियों को बेचकर तत्काल नकदी हासिल करना भी मुश्किल है।

क्रिप्टोकॉरेंसी की वैधता के संबंध में वर्तमान स्थिति

“नॉन-फिएट” क्रिप्टोकॉरेंसी (“non-fiat” cryptocurrency) को लेकर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा गठित एक समूह, क्रिप्टोकॉरेंसी को वैधानिक मान्यता देने के मामले पर गंभीरता से विचार कर रहा है। आरबीआई ने संकेत दिया है कि केंद्रीय बैंक को ‘फिएट क्रिप्टोकॉरेंसी’ से किसी तरह की कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वह “नॉन-फिएट” क्रिप्टोकॉरेंसी जैसे कि बिटकॉइन को लेकर खासा चिंतित है।

फिएट क्रिप्टोकॉरेंसी’ और ‘नॉन-फिएट क्रिप्टोकॉरेंसी’ में अंतर

नॉन फिएट’ क्रिप्टोकॉरेंसी उदाहरण के लिये बिटकॉइन, एक निजी क्रिप्टोकॉरेंसी है, जबकि ‘फिएट क्रिप्टोकॉरेंसी’ एक डिजिटल मुद्रा है, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किया जाएगा।

भारत में क्रिप्टोकॉरेंसी की वैधता

आरबीआई समय-समय पर बिटकॉइन के संभावित खतरों के प्रति आगाह करता आया है। हालाँकि, असली तस्वीर तब सामने आएगी जब आरबीआई डिजिटल करेंसी जारी करेगी, जिसे भौतिक मुद्रा के तौर पर संचित करने के बजाय साइबर स्पेस में रखा जा सकता है। जहाँ तक ‘नॉन फिएट’ क्रिप्टोकॉरेंसी का सवाल है तो आरबीआई इसे लेकर सहज नहीं है। गौरतलब है कि केंद्रीय बैंक ने क्रिप्टोकॉरेंसी को लेकर अभी तक अपनी किसी योजना का खुलासा नहीं किया है।

क्या है बिटकॉइन?

दरअसल, बिटकॉइन एक डिजिटल करेंसी है जिसका इस्तेमाल दुनिया भर में लोग लेन-देन के लिये करते हैं। उल्लेखनीय है कि यह 'मुख्य वित्तीय सिस्टम' और 'बैंकिंग प्रणाली' से बाहर रहकर काम करती है। यही कारण है कि इसके स्रोत और सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न उठते रहते हैं।

इस डिजिटल मुद्रा को किसी भी सरकार का साथ नहीं मिला है और लगातार इसे फ्रॉड, म हवाला मनी और आतंकी गतिविधियों को पोषित करने वाली मुद्रा के रूप में संबोधित किया जाता रहा है।

हाल ही में 'जेपी मार्गन चेज एंड कंपनी' के चीफ एग्जीक्यूटिव जैमी डिमॉन ने इसे फ्रॉड तक कह डाला और कहा कि बिटकॉइन का गुब्बारा जल्द ही फूटेगा।

चीन ने भी बिटकॉइन एक्सचेंजों पर सख्ती करते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने की सूचना जारी कर दी है। हालाँकि, बिटकॉइन बाजार में पिछले एक साल में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है।

निष्कर्ष

पिछले कुछ वर्षों में क्रिप्टोकॉरेंसी बड़ी तेज़ी से लोकप्रिय हुई है। वर्तमान में, भारत सहित कई देशों में यह न तो अवैध है और न ही वैध। क्रिप्टोकॉरेंसी का बाजार वर्तमान में 100 अरब डॉलर के आँकड़े को पार कर चुका है। यह आवश्यक है कि क्रिप्टोकॉरेंसी को लेकर कुछ नियमाकीय प्रावधान किये जाएँ। यहाँ यह जानना आवश्यक है कि सभी क्रिप्टोकॉरेंसी बिटकॉइन नहीं हैं, जबकि सभी बिटकॉइन क्रिप्टोकॉरेंसी हैं। बिटकॉइन (bitcoin), एथ्रॉम (ethereum) और रिप्ल (ripple) कुछ लोकप्रिय क्रिप्टोकॉरेंसी हैं।